Nandanvan Kalpataru 2017 06 SrNo 38

Folder No.	521038
Granth Name	Nandanvan Kalpataru 2017 06 SrNo 38
Author	Kirtitrayi
Publisher	Jain Granth Prakashan Samiti
Edition	1
Year	2017
Pages	98

नन्दनवन कल्पतरु २०१७ ०६ सि.नं. ३८

फोल्डर नं.	५२१०३८
ग्रन्थ	नन्दनवन कल्पतरु २०१७ ०६ सि.नं. ३८
लेखक	कीर्तित्रयी
प्रकाशक	जैन ग्रन्थ प्रकाशन समिति
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	२०१७
पृष्ठ	९८

मुख्य टाइटल

वाचकानां प्रतिभाव ---------- ३
प्रास्ताविकम् ---------- ५
अनुक्रम ---------- ७
श्रीमद्ऋषभदेवजिनेश्वरस्तोत्रम् ---------- १
श्रीमहावीरस्तुति ---------- ३
सकललब्धिनिधान-श्रीगौतमस्वाम्यष्टकम् ---------- ५
श्रीगौतमस्वामिस्तुति ---------- ६
महोपाध्यायश्रीमद्यशोविजयगुणस्तुत्यष्टकम् ---------- ७
दीक्षा नाम किम् ---------- ९
सिद्धाचलेश्वरस्तोत्रम् ---------- १०
आत्मन्येव सम्पश्याम् ---------- १२
जीवनमौक्तिकम् ---------- १४
भारतीयसंस्कृतौ यज्ञो वै श्रैअष्ठतमं कर्म ---------- १६
आर्यसत्यानां पर्यालोचनम् ---------- १८
ईशस्य न्यायोपासना ---------- २३
पत्रम् ---------- ३०
अर्धजरती ---------- ३५
अमरकोश ---------- ३७
संस्कृतकवितागौरवम्---------- ३८
मर्म गभीरम् ---------- ४०
मानवप्रेम ---------- ४३
मानवभवस्य मूल्यम् ---------- ४४
संस्कारप्रपा ---------- ४६

नाम्नि किमस्ति ---------- ५१
सरलता ---------- ५२
परमस्य प्रेम ---------- ५४
जीवनस्योद्धरणम् ---------- ५५
परमार्हत कविधनपाल ---------- ५७
मर्म नर्म ---------- ५९
हास्यकणिका ---------- ६१
प्राकृतद्व्याश्रयमहाकाव्यस्य संस्कृतानुसर्जनम् ---------- ६२
पाइयविन्नाणकहा ---------- ७८